

2
7000

नेपाल आदेश दिनांक १९३३-१० अङ्क नं ०-६
राम किशोर पाठेय नाम संस्था सरकार अङ्क १०
संस्था-१०३ पाठेय संस्था पल्लिनवारा पुनर्गना बसो
वर्द्धन संस्था जिला सुनसरीपुर। - यातायात ३५ मिटर
अभिमान संस्था सुनसरीपुर। दिनांक १९३३-१०



S38
233-10

[Signature]
CHAIRMAN
SPECTRUM HI PHARMACY COLLEGE
JAMOLI, KUREBHAR, SULTANPUR

सहित फाउण्डेशन संस्था-१०
सुनसरीपुर संस्था
[Signature]
सुनसरी

न्यायालय उप विभाधिकारी, सहर सुल्तानपुर ।
बाब सं- 6

अर्लीस नं- 143 का विषय
श्रीम दक्षिणवारा, परमना हरिसा
तहसील सहर जिला सुल्तानपुर ।
सहर उद्योग ।

राम तिवार पार्षद
नाम
दिनांक

श्री राम तिवार पार्षद व वीरवा प्रसन्न प्रबंधक, मोरनी ब्लॉक
अर्लीस फाउंडेशन चैरिटेबल ट्रस्ट श्रीम जमोला सहर दक्षिणवारा, परमना हरिसा
तहसील सहर जिला सुल्तानपुर ने नाटा नं- 909/0-3900, नाटा नं- 904/14/0-1470
अथवा श्रीम दक्षिणवारा को अर्लीस नाटा नं- 143 के रूप में धारा- 143 का विषय
के अन्तर्गत धारणा किया है।

पत्रावली आख्या हेतु तहसील भेजा गया । तहसीलदार, सहर को
पत्र आख्या दिनांक 11-3-10 संलग्न पत्रावली है। पत्रावली में उपलब्ध
धारा- 143 नियम- 135 का विषय के रूप-पत्र पर तबसे धारणा के आशय में
बाद भूमि नाटा नं- 904/14/0-1470 व 909/0-3900 है, पर कुछ कार्य नहीं
हो रहा है, इसे अर्लीस घोषित करने वाले का आख्या अनुदेश, सही प्रेषित
है। इसे अतिरिक्त अर्लीस आख्या में भी इसी का उल्लेख किया गया है।
धारणा धारणा की नकार नहीं आ संलग्न की गया है।

ये पत्रावली में उपलब्ध तहसीलदार, सहर की आख्या दिनांक
11-3-2010, उद्देश्य धारणा नं- 1412-1417 को श्रीम दक्षिणवारा का नाटा
नं- 655 की नाटा नं- 904 व नाटा नं- 491 की नाटा नं- 909 का विधिवत
अर्लीस एवं परीक्षण किया गया तथा बाकी को सुना गया । पत्रावली में
उपलब्ध आख्या एवं उद्देश्य धारणा के अन्तर्गत स्पष्ट है कि बाद भूमि बादा
के नाम संश्लेषण भूमि पर विषय-पत्र आंकृत है तथा अर्लीस करने का
धारणा की गयी है। तहसील आख्या के स्पष्ट है कि बाद भूमि अर्लीस है
और इसमें कुछ कार्य नहीं किया जाता है। इस प्रकार पत्रावली में उपलब्ध अर्लीस
तहसील एवं प्रपत्रों के अर्लीस के स्पष्ट है कि बाद भूमि में कुछ कार्य नहीं
किया जाता है और बाद भूमि अर्लीस है जो कुछ, कामचला या पशुपालन
जैसे अन्तर्गत अर्लीस, कुकुआलन भी है, से सम्बंधित प्रयोजनों के अर्थ
में न कार्य आ रहे हों, और उन नाटों को अर्लीस प्रयोजन के लिए काम में लाने
आ रहे हों, उसे अर्लीस भूमि प्रेषित किये जाने में कोई विधि बाधा नहीं है
अर्लीस

उपर्युक्त तथ्यों एवं विवेचन के आलोक में उत्तीर्ण श्रीम दक्षिणवारा,
परमना हरिसा, तहसील व जिला सुल्तानपुर की नं- 1412-1417 के नाटा नं-
659 की नाटा नं- 904/14/0-1470 है व नाटा नं- 491 की नाटा नं- 909
/0-3900 है, भूमि को अर्लीस प्रेषित किया जाता है अर्लीस अर्लीस उद्देश्य
धारणा की आख्या की प्रेषित करने वाले आशय में अर्लीस किया जाय तथा अधिक
में कले वाली कले नियो में अर्लीस होता रहेगा । बाद भूमि को आलुवारी के
मुक्त किया जाय तथा आख्या की प्रेषित प्रति उप निष्कर्ष सहर की
आवाक्य कार्यवाही हेतु भेजा जाय । बाद अमलदरामद पत्रावली अर्लीसवार में
अर्लीस हो ।

अर्लीस

3-3-10

दिनांक: 12-3-10

538

23-3-10

श्रीम जमोला गोहन अर्लीसवारी
उप विभाधिकारी, सहर
सुल्तानपुर ।

CHAIRMAN

SPECTRUM HI PHARMACY COLLEGE
JAMOLI, KUREBHAR, SULTANPUR

अर्लीस फाउंडेशन चैरिटेबल ट्रस्ट
जमोला कुरेभार, सुल्तानपुर


अर्लीस



नमून आदेश दिनांक 29/7/2017 बाव. ले.
36 रामनिशोर् पाठोप बसत 30 प्र० लरकाट
के अन्तर्गत बसत-143 ज. वि. अ. ग्राम दसिनवारा
लहरील लदर कुलतानपुर् - गणलप उपजिलाबिनारी
लदर कुलतानपुर् तारीख फेलला 24/7/2017



532
24/07/2017


CHAIRMAN
SPECTRUM HIGH PHARMACY COLLEGE
JAMOLI, KUREBHAR, SULTANPUR

न्यायालय उप जिलाधिकारी, सदर सुलतानपुर।

वाद सं.- 36

अन्तर्गत धारा 143 ज.वि.अ.
ग्राम दखिनवारा परगना बरौसा
तहसील सदर जिला सुलतानपुर

राम किशोर पाण्डेय बनाम- सरकार उ.प्र.

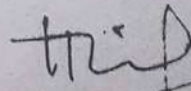
निर्णय


राम किशोर पाण्डेय सुत चौहरजा प्रसाद प्रबन्धक मैनेजिंग ट्रस्टी अद्वैत फाउण्डेशन चैरिटेबुल ट्रस्ट ग्राम जमोली मजरा दखिनवारा परगना बरौसा तहसील सदर व जिला सुलतानपुर ने गाटा संख्या 906मि./0.1650 व 907/0.2730 व 910/0.0600 हे. स्थित ग्राम दखिनवारा को आकृषिक गाटों के रूप में धारा 143 ज.वि.अ. के अन्तर्गत याचना किया है। पत्रावली आख्या हेतु तहसील भेजा गया। तहसीलदार सदर की जाँच आख्या दिनांकित 22/05/2017 संलग्न पत्रावली है। पत्रावली में उपलब्ध धारा 143 नियम 135 ज.वि.अ. के रूप पत्र पर विशेष विवरण के कालम में वाद भूमि गाटा सं.906मि./0.1650 व 907/0.2730 व 910/0.0600 हे. पर कृषि कार्य नहीं हो रहा है जिसे आकृषिक घोषित किये जाने की आख्या संस्तुति सहित प्रेषित है इसके अतिरिक्त विस्तृत आख्या में इसी का उल्लेख किया गया है। मैंने पत्रावली में उपलब्ध तहसीलदार सदर की आख्या दिनांकित 22/05/2017 उद्धरण खतौनी ग्राम दखिनवारा की गाटा संख्या 906, 907 व 910 का विधिवत अवलोकन एवं परीक्षण किया तथा वादों को सुना गया पत्रावली में उपलब्ध आख्या एवं उद्धरण खतौनी को देखने से स्पष्ट है कि वाद भूमि सं. भूमिधर जरिए विक्रय पत्र अंकित है तथा आकृषिक कराने की याचना की गई है। समस्त साक्ष्यों एवं प्रपत्रों के अवलोकन से स्पष्ट है कि वाद भूमि पर कृषि कार्य नहीं किया जाता है जो कृषि, बागवानी, पशुपालन, मत्स्य पालन, कुक्कुट पालन भी हो तो सम्बन्धित परियोजनाओं के काम में लाये जा रहे हों उसे आकृषिक भूमि प्रख्यापित किये जाने में कोई विधिवत बाधा नहीं है।


आदेश

उपर्युक्त तथ्यों एवं विवेचन के अवलोकन में खतौनी ग्राम दखिनवारा परगना बरौसा, तहसील व जिला सुलतानपुर की गाटा संख्या 906मि./0.1650 व 907/0.2730 व 910/0.0600 हे. भूमि को आकृषिक प्रख्यापित किया जाता है। उक्त आदेश उद्धरण खतौनी की आदेश की प्रविष्टियों में अंकित किया जाय तथा भविष्य में खतौनियों में अंकित होता रहेगा वाद भूमि को मालगुजारी से मुक्त किया जाय वाद अमलदरामद पत्रावली अभिलेखागार में संचित हो।

दिनांक : 24/07/2017


उप जिलाधिकारी सदर
सुलतानपुर


सत्य प्रतिलिपि


CHAIRMAN
SPECTRUM HIGHER PHARMACY COLLEGE
JAMOLI, LUREBHAR, SULTANPUR